

प्रति,

पी0सी0शर्मा
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

निर्देशक,
राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग,
पी0आई0पी0हंगर,
जौलीघाट एअरपोर्ट,
देहरादून ।

नागरिक उड्डयन विभाग

देहरादून दिनांक 26/ सितम्बर 2007

विषय:- समग्र कार्यक्रम के दौरान पाबो जगपद पौड़ी में हेलीकॉप्टर दुर्घटना के दौरान क्षतिग्रस्त मेन रोटर ब्लेडों के रिपेयर के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-531/रा0ना0उ0नि0/आई0-5/2007, दिनांक 21 जून 2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों के भ्रमण कार्यक्रम को सम्पादित करने के दौरान दिनांक 19-8-2007 को प्रातः राजकीय इन्टर कालेज पाबो जगपद पौड़ी में निमित्त अस्थाई हेलीपैड से अपने गन्तव्य स्थान से उड़ान भरते समय निकट के विद्युत पोल लाइन से टकरा जाने तथा इमरजेन्सी लैंडिंग के दौरान राजकीय हेलीकॉप्टर EC-135 के मेन रोटर ब्लेड क्षतिग्रस्त होने के फलस्वरूप राज्य के विशिष्ट व्यक्तियों की हवाई यात्राओं के निर्बाध सम्पादन हेतु तात्कालिक व्यवस्था के रूप में हेलीकॉप्टर पर सगे हुये 04 मेन रोटर ब्लेडों को दो माह हेतु निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत किराये पर लेने की प्रशासनिक स्वीकृति के साथ ही क्षतिग्रस्त हुये ब्लेडों की मरम्मत के सम्बन्ध में निर्माता फर्म मै0 यूरोकॉप्टर, जर्मनी के भारत में स्थित अधिकृत प्रतिनिधि मै0 साफेगा हेलीकॉप्टर्स प्रा0 लि0 नई दिल्ली द्वारा प्रेषित आगमन के आधार पर यूरो 38,920 (यूरो अठ्ठावीस हजार नौ सौ बीस मात्र) अर्थात् भारतीय मुद्रा में ₹0 60.00 प्रति यूरो की दर से समतुल्य धनराशि ₹0 23,35,200.00 (रुपये तीस लाख पैंतीस हजार दो सौ मात्र) एवं कय प्रक्रिया पर करंटम क्लेरेन्स, ट्रान्सापोर्टेशन एवं हैंडलिंग आदि पर नियन्त्रित होने वाले व्यय को वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 में व्यय हेतु आपके नियन्त्रण पर रखे जाने की श्री राज्यपाल प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उपरोक्त धनराशि ₹0 23,35,200.00 की अलग से व्यय की स्वीकृति निर्गत नहीं की जा रही है बल्कि इस धनराशि को शासनादेश संख्या-509/IX(65)/बजट/प्लान-नॉनप्लान/2007-08 दिनांक 4-4-2007 एवं शासनादेश संख्या-74/IX(65)/2007-08 दिनांक 7-8-2007 द्वारा आपूर्ति निर्धारण पर रखी गई धनराशि में से ही व्यय किया जायेगा।

3- स्वीकृत की जा रही धनराशि का चेक/ड्राफ्ट के माध्यम से आहरण कर कम्पनी को भुगतान किया जायेगा।

4- व्यय करने के पूर्व, जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्ता पुरितका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य राज्य प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त की ली जाये। गितद्वयता के विभाग में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा। व्यय उन्ही मदों में किया जायेगा जिसके लिए वह धनराशि स्वीकृत की जा रही है। व्यय करते समय बजट मैनुअल एवं वित्तीय विनियम संग्रह में वर्णित समस्त संगत नियम तथा स्टोर फर्देज नियमों का अनुपालन किया जायेगा।

5- उक्त उपकरणों का खय के सम्बन्ध में शासन के तद्विषयक नियमों का अनुपालन किया जायेगा। उक्त कय के भुगतान की औपचारिकतायें पूर्ण होने के उपरान्त बैंक में वही अवशेष धनराशि 31/3/2008 तक राजकोष में जमा कर दी जायेगी और उक्त अवधि तक उक्त सम्पूर्ण अग्रिम का भी समायाजन पर लिया जायेगा।

6- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2007-2008 के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 3053-नागर विमानन 80-सामान्य-आयोजनतर 003-प्रशिक्षण तथा शिक्षा 03-नागरिक उड़कन-00-31-सामग्री और सामूर्ति के नामे डाता जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अक्षासर्वाय संख्या-426/XXVII (2)/2007 दिनांक 24 सितम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(पी०सी०शर्मा)

प्रमुख सचिव

संख्या-180/IX(25)/अनुक्षण/EC-135/जीलीग्रन्ट/2005-06,समदिनींकित
प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार,उत्तराखण्ड,औवेरीय गोटर्स बिल्डिंग,गजरा,देहरादून
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी,देहरादून।
- 3- गित्त अनुभाग-2
- 4- एन०आई०सी०उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 5- माई फाइल।

आज्ञा से,

(पी०सी०शर्मा)

प्रमुख सचिव।

26/6